इन्वेस्ट यूपी ने चाइना प्लस वन योजना पर शुरू किया काम

चीन व अन्य देशों में निवेश करने वाली कंपनियों से साधेगा संपर्क

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ाने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने चाइना प्लस वन योजना पर काम शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत इन्वेस्ट यूपी उन विदेशी कंपनियों से संपर्क साधेगा जिन्होंने चीन में निवेश कर रखा है, लेकिन टैरिफ वार व बदली राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अब दूसरे देशों में भी निवेश करने की तैयारी कर रही हैं। इन्वेस्ट यूपी की कोशिश है कि चीन के अलावा थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया व बांग्लादेश जैसे देशों में निवेश करने वाली कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए।

कोविड-19 के बाद से चाइना प्लस वन योजना के तहत विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए भारत में आकर्षित करने की कोशिशें की जा रही हैं। इस संबंध में केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों को चाइना प्लस वन योजना पर काम करने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश में इन्वेस्ट यूपी ने अब इस योजना पर गंभीरता के साथ काम शुरू किया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए स्थापित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्रों, रक्षा औद्योगिक गलियारा, एक्सप्रेसवे परियोजनाओं, पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क, इलेक्ट्रिक वाहन, 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एवं लाजिस्टिक क्लस्टर, सड़क, हवाई व जल परिवहन के अलावा युवा श्रमिकों की उपलब्धता का प्रचार करने की रणनीति इन्वेस्ट यूपी ने तैयार की है।

विदेश में गोल मेज सम्मेलन करके निवेश के लिए आमंत्रित की जाएंगी कंपनियां

योजना के तहत इन्वेस्ट यूपी न्यूयार्क, लास एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को, फ्रैंकफर्ट, पेरिस, मिलान, एम्स्टर्डम, लंदन, बर्मिंघम में रोड शो व गोल मेज सम्मेलन करेगा। इसके लिए शासन से स्वीकृति मांगी गई है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनंद ने विदेश में रोड शो व निवेशकों के साथ संपर्क करने के लिए अधिकारियों की टीमें भी बनानी शुरू कर दी हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश को आमंत्रित करने के साथ इसके जरिये रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहा है।